

सार-समाचार

शिक्षा मंत्री का पूँका पुतला



झारखंड, (निस)। जिले के सबसे बड़े एसवीपी महाविद्यालय में एसएफआई छात्र संघन के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने कॉलेज छात्र संघ चुनाव कराए जाने की मांग को लेकर प्रदर्शन करते हुए शिक्षा मंत्री का पुतला जलाया। एसएफआई के जिलाध्यक्ष फलुन भराडा ने शिक्षा मंत्री के दौरा बाहर जाने की निवाप करते हुए कहा कि छात्र संघ चुनाव ही करा कर सकता अपने खुलाकर छात्र राजनीति को दबाना चाहते हैं। भराडा ने कहा की सकारात्मक चुनाव को पहली सीढ़ी कॉलेज छात्र चुनाव पर रोक लगा कर दमनकारी नीति अपना रही है। जिससे छात्र में रोक है। साथ ही कहा की राजनीति कुचाल हो सकती है तो पिर सरकार को छात्र संघ चुनाव कराने में क्या समझ्या हो रही है। एसएफआई ने मांग की है कि राज्य की सरकार छात्र संघ चुनाव नहीं करती है तो एसएफआई उप अधिकारी करोंग।

मोहरम पर्व 17 को

झारखंड, (निस)। मुस्लिम समृद्धय का मोहर्म पर्व प्रतीर्वाची की भाँति इस वर्ष भी आगामी 17 जुलाई मनाया जायेगा। पंच मोड़ासियान के सदर अब्दुल हाफिज चौहान एवं सदर हाफिज खानी भोजपुर राज्यांगन के मेंदंदी का जुलूस रात 9.30 बजे निकाला जायेगा। मेंदंदी का जुलूस घाटी स्थित मदिना मरिजद से होता हुआ फौज बड़ला होते हुए पुनः घाटी स्थित मदिना मरिजद पहुँचेगा। इसीके में 16 जुलाई बजे मिलावत आसुरा (शहादत) की रात ताजियों का जुलूस निकाला जायेगा। जो हाजीपुरा, फौज का बड़ला, माणक चौक, छाती पर्वती वायदे को खुलाकर छात्र राजनीति को ले रहे हुए कोतवाली दरवाजा के बाहर पहुँचेगा। जहां से रात 1 बजे जुलूस पुनः यहां से रवाना होकर घाटी मदिना मरिजद पहुँचेगा। वही दूसरी दिन बुधवार को पुनः जुलूस 8.30 बजे निकाला जायेगा। मेंदंदी सभी ताजिये घाटी होते हुए कोतवाली दरवाजा के बाहर पहुँचेगा। जहां से दोपहर 3 बजे सभी ताजिये घाटी की लिए रवाना होगे। कोतवाली से होते हुए माणक चौक, फौज का बड़ला, खायारिया चौक होते हुए घाटी स्थित बावरिया बड़ला पहुँचेगा। जहां से दोपहर 6 बजे गेपसार की पाल पहुँचेगा।

बच्चे कीचड़ से होकर स्कूल जाने मजबूर

झारखंड, (निस)। सकानी गांव में अपर प्राइमरी स्कूल जाने का रास्ता कोचड़ और गंदरी से भरा है। बच्चे कोचड़ में बड़े पथर रखकर स्कूल जाने को मजबूर है। वर्तीने पर फैनी का डर भी सता रहा है। कीचड़ का ये हाल वाली की निकारी नहीं होने से ही रहा है। लोगों ने भी इसकी कई बार शिक्षायत की, लेकिन कोई समाधान नहीं हुआ है। सरकार बच्चों को स्कूल से जोड़ने और सुविधाओं को लेकर फौक्स कर रही हैं। लोकिं सकानी अपर प्राइमरी स्कूल जाने का रास्ता देखना भी हार्दिक प्रसार के सामने ही सड़क पर कीचड़ से गड़े में एक फौट कर बच्चों को स्कूल जाना पड़ता है। गांव के भावेश सुधार और मोगजी मीणा बताते हैं कि गांव के खंडों से निकलने वाला पूरा गंदा पानी स्कूल के पास गेट के सामने ही इकड़ा होता है। यहां से गंदे पानी की निकारी को इंजाम नहीं है। ऐसे में पानी की इकड़ा होने के बाकीचड़ में तब्दील हो जाता है। जिससे बच्चों को अनेजान में दिक्षित हो रही है। गांव के लोग बताते हैं कि स्कूल जाने के लिए यही रस्ता है। ऐसे में कीचड़ के बीच पथर रखकर बच्चे उसपर गुरते हैं, लेकिन कई बार पर कीचड़ की आंखों को बाल कोचड़ में तब्दील हो जाती है। जिससे बच्चों को अनेजान में दिक्षित हो रही है। गांव के लोग बताते हैं कि इसके बाकीचड़ के बाल कोचड़ में तब्दील हो जाती है। एक बार जिसकी आंखों को लेकिन आज तक इसका कोई समाधान नहीं हुआ है।

खेल प्रतिभागियों का सम्मान

बांसवाड़ा, (निस)। 78 कैरीय विद्यालयों की संभागीय खेलकूट प्रतियोगियां 2 से 4 जुलाई तक अलग-अलग कैरीय विद्यालयों में हुईं। जिसमें कैरीय विद्यालय के बच्चों ने तीरंदाजी, बैडमिंटन, स्टॉन, बाकेटबाल और ताइबॉली, क्रिकेट में 20 बच्चों ने उक्त प्रशंसन किया। कैरीय विद्यालय के बच्चों में विद्यालय के बाल कोचड़ के सामने लगाए गए और अपार योग्यता में फैलाए गए। गांवीं को लेकिन आज तक इसका कोई समाधान नहीं हुआ है।

महावीर इंटरनेशनल के 50 वें स्वर्णिंग वर्ष में बाल कोचड़ की आंखों को लेकिन आपार योग्यता में फैलाए गए। गांवीं को लेकिन आज तक इसका कोई समाधान नहीं हुआ है।

महावीर इंटरनेशनल के 50 वें स्वर्णिंग वर्ष में फैलाए गए। गांवीं को लेकिन आज तक इसका कोई समाधान नहीं हुआ है।

महावीर इंटरनेशनल के 50 वें स्वर्णिंग वर्ष में फैलाए गए। गांवीं को लेकिन आज तक इसका कोई समाधान नहीं हुआ है।

महावीर इंटरनेशनल के 50 वें स्वर्णिंग वर्ष में फैलाए गए। गांवीं को लेकिन आज तक इसका कोई समाधान नहीं हुआ है।

महावीर इंटरनेशनल के 50 वें स्वर्णिंग वर्ष में फैलाए गए। गांवीं को लेकिन आज तक इसका कोई समाधान नहीं हुआ है।

महावीर इंटरनेशनल के 50 वें स्वर्णिंग वर्ष में फैलाए गए। गांवीं को लेकिन आज तक इसका कोई समाधान नहीं हुआ है।

महावीर इंटरनेशनल के 50 वें स्वर्णिंग वर्ष में फैलाए गए। गांवीं को लेकिन आज तक इसका कोई समाधान नहीं हुआ है।

महावीर इंटरनेशनल के 50 वें स्वर्णिंग वर्ष में फैलाए गए। गांवीं को लेकिन आज तक इसका कोई समाधान नहीं हुआ है।

महावीर इंटरनेशनल के 50 वें स्वर्णिंग वर्ष में फैलाए गए। गांवीं को लेकिन आज तक इसका कोई समाधान नहीं हुआ है।

महावीर इंटरनेशनल के 50 वें स्वर्णिंग वर्ष में फैलाए गए। गांवीं को लेकिन आज तक इसका कोई समाधान नहीं हुआ है।

महावीर इंटरनेशनल के 50 वें स्वर्णिंग वर्ष में फैलाए गए। गांवीं को लेकिन आज तक इसका कोई समाधान नहीं हुआ है।

महावीर इंटरनेशनल के 50 वें स्वर्णिंग वर्ष में फैलाए गए। गांवीं को लेकिन आज तक इसका कोई समाधान नहीं हुआ है।

महावीर इंटरनेशनल के 50 वें स्वर्णिंग वर्ष में फैलाए गए। गांवीं को लेकिन आज तक इसका कोई समाधान नहीं हुआ है।

महावीर इंटरनेशनल के 50 वें स्वर्णिंग वर्ष में फैलाए गए। गांवीं को लेकिन आज तक इसका कोई समाधान नहीं हुआ है।

महावीर इंटरनेशनल के 50 वें स्वर्णिंग वर्ष में फैलाए गए। गांवीं को लेकिन आज तक इसका कोई समाधान नहीं हुआ है।

महावीर इंटरनेशनल के 50 वें स्वर्णिंग वर्ष में फैलाए गए। गांवीं को लेकिन आज तक इसका कोई समाधान नहीं हुआ है।

महावीर इंटरनेशनल के 50 वें स्वर्णिंग वर्ष में फैलाए गए। गांवीं को लेकिन आज तक इसका कोई समाधान नहीं हुआ है।

महावीर इंटरनेशनल के 50 वें स्वर्णिंग वर्ष में फैलाए गए। गांवीं को लेकिन आज तक इसका कोई समाधान नहीं हुआ है।

महावीर इंटरनेशनल के 50 वें स्वर्णिंग वर्ष में फैलाए गए। गांवीं को लेकिन आज तक इसका कोई समाधान नहीं हुआ है।

महावीर इंटरनेशनल के 50 वें स्वर्णिंग वर्ष में फैलाए गए। गांवीं को लेकिन आज तक इसका कोई समाधान नहीं हुआ है।

महावीर इंटरनेशनल के 50 वें स्वर्णिंग वर्ष में फैलाए गए। गांवीं को लेकिन आज तक इसका कोई समाधान नहीं हुआ है।

महावीर इंटरनेशनल के 50 वें स्वर्णिंग वर्ष में फैलाए गए। गांवीं को लेकिन आज तक इसका कोई समाधान नहीं हुआ है।

महावीर इंटरनेशनल के 50 वें स्वर्णिंग वर्ष में फैलाए गए। गांवीं को लेकिन आज तक इसका कोई समाधान नहीं हुआ है।

महावीर इंटरनेशनल के 50 वें स्वर्णिंग वर्ष में फैलाए गए। गांवीं को लेकिन आज तक इसका कोई समाधान नहीं हुआ है।

महावीर इंटरनेशनल के 50 वें स्वर्णिंग वर्ष में फैलाए गए। गांवीं को लेकिन आज तक इसका कोई समाधान नहीं हुआ है।

महावीर इंटरनेशनल के 50 वें स्वर्णिंग वर्ष में फैलाए गए। गांवीं को लेकिन आज तक इसका कोई समाधान नहीं हुआ है।

महावीर इंटरनेशनल के 50 वें स्वर्णिंग वर्ष में फैलाए गए। गांवीं को लेकिन आज तक इसका कोई समाधान नहीं हुआ है।

महावीर इंटरनेशनल के 50 वें स्वर्णिंग वर्ष में फैलाए गए। गांवीं को लेकिन आज तक इसका कोई समाधान नहीं हुआ है।

महावीर इंटरनेशनल के 50 वें स्वर्णिंग वर्ष में फैलाए गए। गांवीं को लेकिन आज तक इसका कोई समाधान नहीं हुआ है।

महावीर इंटरनेशनल के 50 वें स्वर्णिंग वर्ष में फैलाए गए। गांवीं को लेकिन आज तक इसका कोई समाधान नहीं हुआ है।

महावीर इंटरनेशनल के 50 वें स्वर्णिंग वर्ष में फैलाए गए। गांवीं को लेकिन आज तक इसका कोई समाधान नहीं हुआ है।